

Padma Shri



SHRI NANANDRO B. MARAK

Shri Nanandro B. Marak is an organic farmer of Black Pepper from West Garo Hills of Meghalaya. Initially, he started planting the “Karimunda” variety of black pepper, which produces medium sized chest-nut shaped black colored grains.

2. Born on 27th March, 1958, Shri Marak belongs to a humble background. He began with an initial investment of Rs 10,000. As each year passed, he started increasing the amount and along with the produce started increasing. For the first 3 years the saplings suffered damage but he did not give up, instead he completely stuck to organic farming as a method of cultivation. He started specializing inorganic farming through usage of natural manures like cow dung, vermicompost, etc. The machinery used by him to fasten the harvesting process is 'thresher machines' that are used to separate the berries/seeds from the spike. Currently, 'Karimunda' variety of black pepper gives an average yield of 3.2 kilograms per tree which turns out to be a total produce of 10,000+ kgs of pepper annually.

3. Shri Marak plants 100 trees every year and owns a net total of 3400 trees in a 5 acre land. Thus he was given the title of “Best Pepper Grower from India” by International Pepper Community in the year 2018. He also conducts training sessions for farmers and benefitted 8000+ farmers.

4. Shri Marak has also received International Award for his innovative approach to pepper cultivation in the International Pepper Conference held in Vietnam in 2018.



श्री नंद्रो बी. मारक

श्री नंद्रो बी. मारक मेघालय की पश्चिमी गारो पहाड़ियों में काली मिर्च की ऑर्गनिक खेती करते हैं। प्रारंभ में, उन्होंने काली मिर्च की "करिमुंदा" किस्म के पौधे लगाए, जिनमें मध्यम आकार के अखरोट जैसे काले रंग के दाने निकलते हैं।

2. 27 मार्च, 1958 में जन्मे, श्री मारक एक साधारण परिवार से हैं। उन्होंने 10,000 रुपये के प्रारंभिक निवेश से शुरुआत की। समय के साथ उन्होंने निवेश बढ़ाया और इसके साथ ही पैदावार बढ़ने लगी। पहले तीन वर्षों में पौधों को नुकसान हुआ मगर उन्होंने हार नहीं मानी, बल्कि खेती की एक विधि के रूप में ऑर्गनिक खेती को पूरी तरह से अपना लिया। वह गाय के गोबर, वर्मी कम्पोस्ट आदि जैसे प्राकृतिक खाद का उपयोग करते हुए ऑर्गनिक फार्मिंग में विशेषज्ञता हासिल करने लगे। कटाई का काम तेजी से करने के लिए उन्होंने 'श्रेशर मशीन' का उपयोग किया, जिनका उपयोग डंटल से बेरीज/बीज को अलग करने के लिए किया जाता है। फिलहाल, 'करिमुंडा' काली मिर्च की पैदावार प्रति पेड़ औसतन 3.2 किलोग्राम है। इस प्रकार, उनकी प्रति वर्ष कुल पैदावार 10,000 किलोग्राम से अधिक है।

3. श्री मारक प्रतिवर्ष 100 पेड़ लगाते हैं और 5 एकड़ भूमि में उनके पास कुल 3400 पेड़ हैं। इसलिए, इंटरनेशनल पीपर कम्युनिटी ने 2018 में उन्हें "भारत का सर्वश्रेष्ठ काली मिर्च उत्पादक" का खिताब दिया। वह किसानों के लिए प्रशिक्षण सत्र भी चलाते हैं और इनसे 8000 से अधिक किसान लाभान्वित हुए हैं।

4. श्री मारक काली मिर्च की खेती में उनके नए प्रयोगों के लिए 2018 में वियतनाम में आयोजित इंटरनेशनल पीपर कॉन्फ्रेंस में अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला।